

Webinar on
Agroforestry and Livelihood generation
(5th August, 2020)

Agroforestry plays an important role in the livelihood of rural society and has potential to generate employment for rural youth especially through commercial utilization of agroforestry produce in form of raw material and products.

Keeping this in view, Extension Division of Forest Research Institute, Dehradun organized a webinar on “Agroforestry and livelihood generation” targeting different stakeholders like State Forest Departments, different Research Institutes under ICFRE, students of Colleges and Universities and Management Institutes, trainees of IGNFA and CASFOS, Non Government Organizations, Self Help Groups, entrepreneurs, etc.

Ms. Richa Misra, IFS Head, Extension Division welcomed the participants and gave an overview of the webinar which was formally inaugurated by Sh. Arun Singh Rawat, IFS Director General, Indian Council of Forestry Research & Education and Director, FRI, Dehradun. In his inaugural address, he mentioned that the institute is playing an important role in research on agroforestry. The technology developed by the Institute needs to be disseminated to the different stakeholders through Extension activities. These activities are being carried out through different Van Vigyan Kendras established in the states under its jurisdiction. He stated that the institute would be extending its extension activities through networking of Van Vigyan Kendras and Krishi Vigyan Kendras.

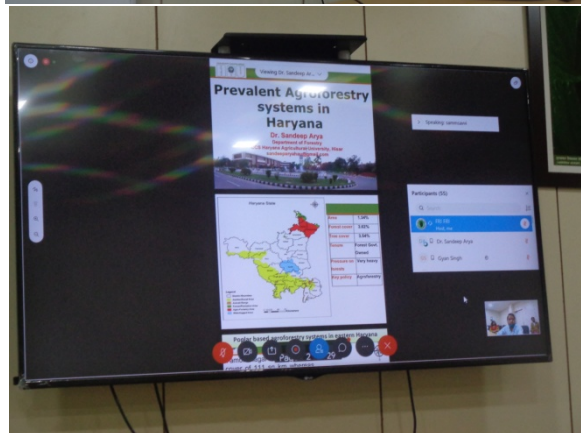
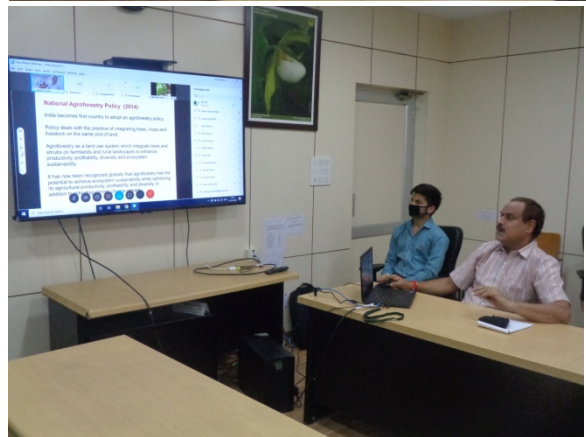
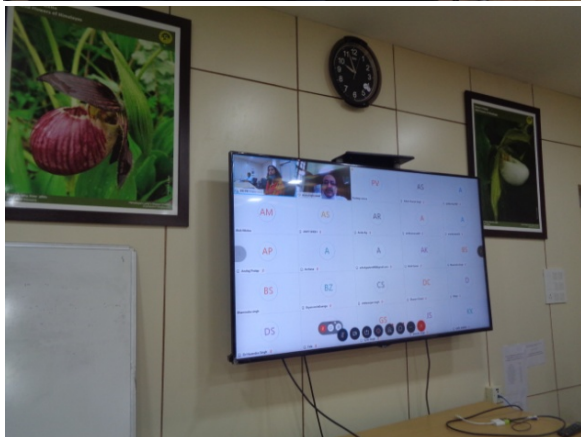
The issues focused in the webinar were:

- *Potential of non timber forest species for livelihood generation*
- *Melia and Poplar based Agroforestry systems for livelihood improvement in Uttarakhand and Punjab*
- *Development of Agroforestry models in wasteland for livelihood*
- *Growing and utilization of Multi Purpose Agroforestry species for livelihood improvement*
- *Value addition of plantation timber for livelihood generation*
- *Insect Pests of Poplar and their management*
- *Management of fungal diseases in Agroforestry species*
- *Beneficial fungi- Cultivation and utilization of edible and medicinal mushrooms*
- *Prevalent Agroforestry systems in Haryana, Recent advances in Agroforestry in Punjab.*
- *Prevalent Agroforestry systems in Punjab*

Among the speakers were Dr. A. K. Pandey, ADG (Media & Extension, ICFRE, Dr. Amit Pandey, Head Forest Protection Division, Dr. D. P. Khali, Scientist-G Division of Forest Product, Charan Singh Scientist-E, Dr. Devendra Kumar Scientist-E, Shri Rambir Singh Scientist-D of Extension Division, Dr. Shailesh Pandey Scientist-D Pathology discipline of FRI, Dehradun, Dr. Sanjiv Kumar Chauhan, Professor, Punjab Agriculture University Ludhiana and Dr. Sandeep Arya, Professor, Choudhary Charan Singh Haryana Agriculture University Hissar who expressed their views on different agroforestry aspects. The team of Extension Division, FRI under the guidance of Ms. Richa Misra, IFS Head Extension Division did a commendable work in making the webinar successful.

The team of Information Technology Division of ICFRE in guidance of Sh. Ashish Kumar Sinha, Head IT Division and Shri Jitendra Singh Scientist-D and Shri Rajneesh from Forest Informatics division of FRI very ably facilitated the entire programme.

Glimpses of Event



देहरादून, बुधवार 06 अगस्त 2020 पृष्ठ नं. 05 दैनिक न्यूज डिटेल

उत्तराखण्ड {देहरादून}

कृषि वानिकी एवं आजीविका उपार्जन पर ऑनलाइन वेबीनार

वन अनुसंधान संस्थान में हुआ आयोजन, गार्हननाद आर्गनाइजेशन ने किया प्रदर्शन, कई विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों ने किया प्रतिभाग

देहरादून, संवाददाता । वन अनुसंधान संस्थान में हुए आयोजन को कृषि वानिकी एवं आजीविका उपार्जन विषय पर एक ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन किया गया । श्रेष्ठ मिश्र, भा.व.से. प्रमुख विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान द्वारा वेबीनार में सभी पेनसिल्वनियन, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद को वेबीनार के उद्देश्य के लिए आमंत्रित किया। वेबीनार का शुभारम्भ करने हुए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक अरुण सिंह रावत, भा.व.से. द्वारा वेबीनार के उद्देश्य एवं लक्ष्यों के बारे में विस्तार से वर्णन किया। डॉ० अशोक कुमार पाण्डेय,



सहायक महानिदेशक मॉडल एवं विस्तार, विस्तार निदेशालय, भा.व.अनुसंधान द्वारा कृषि वानिकी आकृष्ट वन उपार्जन में विस्तार से वर्णन किया। रामेश्वर सिंह, वैज्ञानिक-डी, विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका उपार्जन के लिए अर्लीवुड भूमि में कृषि वानिकी मॉडल का विकास, डॉ०

आजीविका उपार्जन के लिए भौतिक एवं पौधर आधारित कृषि वानिकी के विषय में विस्तार से वर्णन किया। रामेश्वर सिंह, वैज्ञानिक-डी, विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका उपार्जन के लिए अर्लीवुड भूमि में कृषि वानिकी मॉडल का विकास, डॉ०

देवेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका उपार्जन के लिए बहुदलीय कृषि वानिकी प्रणालियों के उपयोग एवं उपयोग, श्री डी.पी. खन्ना, वैज्ञानिक-जी ने आजीविका उपार्जन के लिए वृक्षारोपण लक्ष्य का मूल संकल्प, डॉ० अर्जुन

कुमार, वैज्ञानिक-ई ने पौधर और उनके कोट प्रबंधन, डॉ० रमेश पाण्डेय, वैज्ञानिक-डी द्वारा कृषि वानिकी प्रणालियों के रोले का प्रबंधन, डॉ० अर्जुन पाण्डेय, वैज्ञानिक-जी एवं प्रभाग प्रमुख, वन संरक्षण प्रभाग द्वारा पक्षीय कृषि, खाद्य एवं औषधीय वनस्पतियों को खेती और उपयोग, डॉ० सहीन अर्जुन, प्रभागप्रमुख, पंचक कृषि विध विद्यालय, मुनिपल्लव द्वारा इतिहास में पंचक कृषि वानिकी, पट्टीनगं एवं डॉ० सनील कुमार चौहान, पंचक कृषि विध विद्यालय मुनिपल्लव ने पंचक कृषि वानिकी पर अपने अपने विचार प्रकट किए। अंत में रामेश्वर सिंह, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० पारस सिंह, वैज्ञानिक-ई विस्तार प्रभाग द्वारा किया एवं और इस अवसर पर डॉ० अशोक कुमार सिंह, वैज्ञानिक-डी, प्रभाग प्रमुख, मुचन प्रौद्योगिकी, भा.व.अ.वि.प. एवं उनकी समस्त टीम ने इस कार्यक्रम में सहयोग दिया।

Forwarded



कृषि वानिकी एवं आजीविका उपार्जन विषय पर एक ऑनलाइन वेबीनार का आयोजित - गढ़ निनाद समाचार...
www.garhninad.com

<https://www.garhninad.com/organized-an-online-webinar-on-the-subject-of-agricultural-forestry-and-livelihood-acquisition/>

9:28 AM

कृषि वानिकी व आजीविका उपार्जन पर ऑनलाइन वेबीनार

● वन अनुसंधान संस्थान में हुआ आयोजन , महानिदेशक आईसीएफआरई ने किया उद्घाटन ● कई विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों ने किया प्रतिभाग

शाह टाइम्स संवाददाता देहरादून । वन अनुसंधान संस्थान में बुधवार को कृषि वानिकी एवं आजीविका उपार्जन विषय पर एक आनलाईन वेबीनार का आयोजन किया गया ।

ऋचा मिश्रा, भा.व.से. प्रभाग प्रमुख विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान द्वारा वेबीनार में सभी पेंनेलिस्ट/प्रतिभागियों का स्वागत कर महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद को वेबीनार के उद्घाटन के लिए



आमंत्रित किया। वेबीनार का शुभारम्भ करने हुए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महा. निदेशक अरुण सिंह रावत, भा.व.से. द्वारा वेबीनार के उद्देश्यों एवं लाभों के बारे में विस्तार से वर्णन किया। डा। अशोक कुमार पाण्डेय, सहायक महानिदेशक मीडिया एवं विस्तार , विस्तार निदेशालय, भावाअनुशिप द्वारा कृषि वानिकी आकष्ट वन उपज से आजीविका उपार्जन की क्षमताओं के बारे में बताया। डा. चरण सिंह, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग उत्तराखण्ड एवं पंजाब में आजीविका सुधार के लिए मेलिया

एवं पापलर आधारित कृषि वानिकी के विषय में विस्तार से वर्णन किया। रामबीर सिंह, वैज्ञानिक-डी, विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका सुधार के लिए अपशिष्ट भूमि में कृषि वानिकी मॉडल का विकास, डा. देवेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग द्वारा बहुउद्देशीय कृषि वानिकी प्रतिजा. तियों के उत्पादन एवं उपयोग, श्री डी. पी. खाली, वैज्ञानिक- ने आजीविका सुधार के लिए वृक्षारोपण, लकड़ी का मूल्य संवर्धन, डा. संदीप आर्य, प्रभागाध्यक्ष, पंजाब कृषि विवि ने भी अपनी बात रखी।

कृषि वानिकी एवं आजीविका उपार्जन

देहरादून, संवाददाता। कृषि वानिकी एवं आजीविका उपार्जन विषय पर एक आनलाइन वेबीनार का आयोजन किया गया।

श्रीमती त्रिभुवा मिश्रा भा.व.से. प्रभाग प्रमुख विस्तार प्रभाग वन अनुसंधान संस्थान द्वारा वेबीनार में सभी पेनेलिस्ट/प्रतिभागियों का स्वागत कर महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद को वेबीनार के उद्घाटन हेतु आमंत्रित किया। वेबीनार का शुभारम्भ करने हुए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक श्री अरुण सिंह रावत, भा.व.से. द्वारा वेबीनार के उद्देश्यों एवं लाभों के बारे में विस्तार से वर्णन किया। तत्पश्चात डा० अशोक कुमार पाण्डेय सहायक महानिदेशक मीडिया एवं विस्तार विस्तार निदेशालय भा०वा०अनु०श०प० द्वारा कृषि



वानिकी आकृष्ट वन उपज से आजीविका उपार्जन की क्षमताओं के बारे में बताया।

श्री रामवीर सिंह, वैज्ञानिक-डी, विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका सुधार के लिए अपशिष्ट भूमि में कृषि वानिकी मॉडल का विकास, डा० देवेन्द्र कुमारकुमारवैज्ञानिक-वैज्ञानिक-ई विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका सुधार के लिए बहुउद्देशीय कृषि वानिकी प्रतिजातियों के उत्पादन एवं उपयोग श्री डी.पी. खाली वैज्ञानिक-जी

ने आजीविका सुधार के लिए वृक्षारोपण लकड़ी का मूल्य संवर्धन, डा० अरविंद कुमार वैज्ञानिक-ई ने पोपलर और उनके कीट प्रबंधन डा० शैलेश पाण्डेय वैज्ञानिक-डी द्वारा कृषि वानिकी प्रजातियों के रोगों का प्रबंधन डा० अमित पाण्डेय वैज्ञानिक-जी एवं प्रभाग प्रमुख वन संरक्षण प्रभाग द्वारा लाभकारी कवक खाद्य एवं औषधीय मशरूम की खेती और उपयोग डा० संदीप आर्य प्रभागाध्यक्ष पंजाब कृषि विश्व विद्यालय लुधियाना द्वारा हरियाणा में प्रचलित कृषि वानिकी पद्धतियों एवं डा० संजीव कुमार चौहान पंजाब कृषि विश्व विद्यालय लुधियाना ने पंजाब उत्तम कृषि वानिकी पर अपने अपने विचार प्रकट किए। अंत में श्री रामवीर सिंह, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया गया।

Dainik News detail – Dehradun (6-8-2020)



कृषि वानिकी एवं आजीविका उपार्जन पर ऑनलाइन वेबीनार

वन अनुसंधान संस्थान में हुआ आयोजन, महानिदेशक आरुणसिंहएकआरई ने किया उद्घाटन, कई विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों ने किया प्रतिभाग

देहरादून, संवाददाता। वन अनुसंधान संस्थान संस्थान में सुधार को कृषि वानिकी एवं आजीविका उपार्जन विषय पर एक आनलाइन वेबीनार का आयोजन किया गया। स्वतः मिश्रा, भा.व.से. प्रभाग प्रमुख विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान द्वारा वेबीनार में सभी पेनेलिस्ट/प्रतिभागियों का स्वागत कर महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद को वेबीनार के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। वेबीनार का शुभारम्भ करने हुए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक अरुण सिंह रावत, भा.व.से. द्वारा वेबीनार के उद्देश्यों एवं लाभों के बारे में विस्तार से वर्णन किया। डा० अशोक कुमार पाण्डेय, विस्तार प्रभाग उत्तराखण्ड एवं पंजाब में



सहायक महानिदेशक मीडिया एवं विस्तार, विस्तार निदेशालय, भा०वा०अनु०श०प० द्वारा कृषि वानिकी आकृष्ट वन उपज से आजीविका उपार्जन की क्षमताओं के बारे में बताया। डा. चरण सिंह, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग उत्तराखण्ड एवं पंजाब में

आजीविका सुधार के लिए मेलिका एवं पोपलर अपशिष्ट कृषि वानिकी के विषय में विस्तार से वर्णन किया। रामवीर सिंह, वैज्ञानिक-डी, विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका सुधार के लिए अपशिष्ट भूमि में कृषि वानिकी मॉडल का विकास, डा.

देवेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका सुधार के लिए बहुउद्देशीय कृषि वानिकी प्रतिजातियों के उत्पादन एवं उपयोग, श्री डी.पी. खाली, वैज्ञानिक-जी ने आजीविका सुधार के लिए वृक्षारोपण, लकड़ी का मूल्य संवर्धन, डा. अरविंद

कुमार, वैज्ञानिक-ई ने पोपलर और उनके कीट प्रबंधन, डा. शैलेश पाण्डेय, वैज्ञानिक-डी द्वारा कृषि वानिकी प्रजातियों के रोगों का प्रबंधन, डा. अमित पाण्डेय, वैज्ञानिक-जी एवं प्रभाग प्रमुख, वन संरक्षण प्रभाग द्वारा लाभकारी कवक, खाद्य एवं औषधीय मशरूम की खेती और उपयोग, डा. संदीप आर्य, प्रभागाध्यक्ष, पंजाब कृषि विश्व विद्यालय, लुधियाना द्वारा हरियाणा में प्रचलित कृषि वानिकी पद्धतियों एवं डा. संजीव कुमार चौहान, पंजाब कृषि विश्व विद्यालय लुधियाना ने पंजाब उत्तम कृषि वानिकी पर अपने अपने विचार प्रकट किए। अंत में रामवीर सिंह, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. चरण सिंह, वैज्ञानिक-ई विस्तार प्रभाग द्वारा किया गया और इस अवसर पर डा. आशीष कुमार सिंह, वैज्ञानिक-डी, प्रभाग प्रमुख, सूचना प्रौद्योगिकी, भा.वा.अ.शि.प. एवं उनकी समस्त टीम ने इस कार्यक्रम में सहयोग दिया।

कृषि वानिकी व आजीविका उपार्जन पर ऑनलाइन वेबीनार

● वन अनुसंधान संस्थान में हुआ आयोजन , महानिदेशक आईसीएफआरई ने किया उद्घाटन ● कई विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों ने किया प्रतिभाग

शाह टाइम्स संवाददाता देहरादून । वन अनुसंधान संस्थान में बुधवार को कृषि वानिकी एवं आजीविका उपार्जन विषय पर एक ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन किया गया ।

ऋचा मिश्रा, भा.व.से. प्रभाग प्रमुख विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान द्वारा वेबीनार में सभी पनेलिस्ट/प्रतिभागियों का स्वागत कर महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद को वेबीनार के उद्घाटन के लिए



आमंत्रित किया। वेबीनार का शुभारम्भ करने हुए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महा. निदेशक अरुण सिंह रावत, भा.व.से. द्वारा वेबीनार के उद्देश्यों एवं लाभों के बारे में विस्तार से वर्णन किया। डा। अशोक कुमार पाण्डेय, सहायक महानिदेशक मीडिया एवं विस्तार, विस्तार निदेशालय, भावाअनुशिप द्वारा कृषि वानिकी आकष्ट वन उपज से आजीविका उपार्जन की क्षमताओं के बारे में बताया। डा. चरण सिंह, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग उत्तराखण्ड एवं पंजाब में आजीविका सुधार के लिए मेलिया

एवं पॉपलर आधारित कृषि वानिकी के विषय में विस्तार से वर्णन किया। रामबीर सिंह, वैज्ञानिक-डी, विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका सुधार के लिए अपशिष्ट भूमि में कृषि वानिकी मॉडल का विकास, डा. देवेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक-ई, विस्तार प्रभाग द्वारा आजीविका सुधार के लिए बहुउद्देशीय कृषि वानिकी प्रतिजा. तियों के उत्पादन एवं उपयोग, श्री डी. पी. खाली, वैज्ञानिक- ने आजीविका सुधार के लिए वृक्षारोपण, लकड़ी का मूल्य संवर्धन, डा. संदीप आर्य, प्रभागाध्यक्ष, पंजाब कृषि विवि ने भी अपनी बात रखी।

Webinar On 'Agroforestry And Livelihood Generation'

Dehradun: Agroforestry plays an important role in the livelihood of rural society and has potential to generate employment for rural youth especially through commercial utilization of agroforestry produce in form of raw material and products. Keeping this in view, Extension Division of Forest Research Institute, Dehradun organized a webinar on "Agroforestry and livelihood generation" targeting different stakeholders like State Forest Departments, different Research Institutes under ICFRE, students of Colleges and Universities and Management Institutes, trainees of IGNTA and CASFOS, Non Government Organizations, Self Help Groups, entrepreneurs, etc. Ms. Richa Misra, IFS Head, Extension Division welcomed the participants and gave an overview of the webinar which was formally inaugurated by Sh. Arun Singh Rawat, IFS Director General, Indian Council of Forestry Research & Education and Director, FRI, Dehradun. In his inaugural address, he mentioned that the institute is playing an important role in research on agroforestry. The technology developed by the Institute needs to be disseminated to the different stakeholders through Extension activities. These activities are being carried



out through different Van Vigyan Kendras established in the states under its jurisdiction. He stated that the institute would be extending its extension activities through networking of Van Vigyan Kendras and Krishi Vigyan Kendras. The issues focused in the webinar were : Potential of non timber forest species for livelihood generation, Melia and Poplar based Agroforestry systems for livelihood improvement in Uttarakhand and Punjab, Growing and utilization of Multi Purpose Agroforestry species for livelihood improvement, Value addition of plantation timber for livelihood generation, Insect Pests of Poplar and their manage-

ment, Management of fungal diseases in Agroforestry species, Beneficial fungi- Cultivation and utilization of edible and medicinal mushrooms, Prevalent Agroforestry systems in Haryana, Recent advances in Agroforestry in Punjab. Among the speakers were Dr. A. K. Pandey, ADG (Media & Extension, ICFRE, Dr. Amit Pandey, Head Forest Protection Division, Dr. D. P. Khali, Scientist-G Division of Forest Product, Charan Singh Scientist-E, Dr. Devendra Kumar Scientist-E, Shri Rambir Singh Scientist-D of Extension Division, Dr. Shailesh Pandey Scientist-D Pathology discipline of FRI, Dehradun, Dr. Sanjiv Kumar Chauhan, Profes-

sor, Punjab Agriculture University Ludhiana and Dr. Sandeep Arya, Professor, Choudhary Charan Singh Haryana Agriculture University Hissar who expressed their views on different agroforestry aspects. The team of Extension Division, FRI under the guidance of Ms. Richa Misra, IFS Head Extension Division did a commendable work in making the webinar successful.

The team of Information Technology Division of ICFRE in guidance of Sh. Ashish Kumar Sinha, Head IT Division and Sh. Jitendra Kumar Scientist-D and Sh. Rajneesh from Forest Informatics division of FRI very ably facilitated the entire programme.